में प्राप्त कच्चा माल प्रयोग करने का विचार है । इन योजनाओं के सफल होने पर ही देशी रेशों को खासे बड़े पैमाने पर प्रयोग करना संभव होगा ।

अल्युमीनियम

१६२९. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५७–५८ में अब तक अल्युमीनियम की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं ; और

(ख) उसके फलस्वरूप उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) और (ख) अल्युमीनियम उद्योग की मौजूदा उत्पादन क्षमता ७,५०० टन वार्षिक है । १२,५०० टन की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता स्थापित करने का लाइसेंस तथा मौजूदा उत्पादन क्षमता में २,४०० टन का और भी विस्तार करने की मंजूरी दे दी गयी है । इस प्रकार कुल उत्पादन क्षमता २२,४०० टन हो जायेगी ।

जितनी अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के लाइसेंस दिये जा चुके हैं उससे १९५७–५८ में अतिरिक्त उत्पादन होने की आशा नहीं है लेकिन १९५८ के अंत तक लाइसेंस शुदा एक योजना से अधिक उत्पादन होने की संभावना है ।

ऊनी कपड़ा

१६३०. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों को प्रत्येक वर्ष कितना ऊनी कपड़ा निर्यात किया जा रहा है ;

(ख) इस निर्यात को बढ़ाने के लिये क्या सरकार कोई उपाय कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो क्या ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) (क) १९५५ से ऊनी कपड़ा निम्न परिमाण में निर्यात किया गया :—

१९५५–५६	१९५६–५७	१९५७–५८ (जनवरी-जून)
ऊनी कपड़ा (गजों में)		
१२,३११	४४,४१५	५,१२९
शाल (संख्या)		
१४,७२८	२३,५३५	१४,०५१
अन्य प्रकार का (पौण्ड)		
६,५६,७६७	५,४१,४७०	८,६३,७५४
हौजरी		
—	—	२४,११९

(ख) और (ग) . ऊन उद्योग की विकास परिषद् ने ऊनी माल का निर्यात बढ़ाने के लिये एक विशेष उपसमिति नियुक्त की है ।

बिनौले के तेल के कारखाने

१६३१. श्री बाल्मीकी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५६ में बिनौले का तेल निकालने के जिन ६ नये कारखानों को लाइसेंस दिये गये हैं, उनके नाम क्या हैं;

(ख) उनमें कितनी पूंजी लगाई गई है; और

(ग) ये लाइसेंस उन्हें किस आधार पर दिये गये थे ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) से (ग) . एक विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट–४, अनुबन्ध संख्या २७]